भजन

हम तो जाते अपने गाम,अपनी सबको है प्रणाम

1– हुई है भूल अब तक जो,उसे दिल से भुला देना
मगर इन भीगी पलकों से,न तुम हमको विदा देना

2– हमारी याद आए तो,उसे दिल से मिटा देना
छिपा लेना अश्क अपने,न मोती यूं लुटा देना

3– किसी के अश्क मैं पी लूं,मेरी किस्मत कहां ऐसी
किसी का गम उठा लूं मैं,नहीं हिकमत कोई ऐसी

4– विदाई में ली जुदाई,जो आत्म सह नहीं पाई
किया पत्थर जिगर मैंने,मगर यह आंख भर आई

5– रजा जैसी राज की ये,राजी उसमें सदा रहना
मिला गम जो जुदाई का,उसे हंसते हुए सहना

6– मिला अवसर अगर कोई,दोबारा फिर भी आयेंगे
बिताए जो खुशी से दिन,कभी फिर भी बितायेंगे